स्वास्थ्य समता पाठ्यक्रम-2023
(The Health Equity Course-2023)

विषय: सामुदायिक भागीदारी द्वारा जन स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान व स्वास्थ्य समता का निर्माण

भाषा : हिन्दी

दिनांक: 4 अक्टूबर (बुधवार), 2023 से 14 अक्टूबर (शनिवार), 2023 (आवासीय)

स्थान: जयपुर (राजस्थान)

आयोजक:

प्रयास का परिचय

प्रयास एक गैर सरकारी संस्था है जो की 1979 से ग्रामीण व पिछड़े वर्गों के आर्थिक व सामाजिक विकास, और विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार हेतु कई क्षेत्रों में काम कर रही है। प्रयास ने अपनी गतिविधियाँ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के देवगढ़ नामक एक सुदूर आदिवासी गाँव से शुरू कीं थी और फिर राजस्थान के कई हिस्सों और देश के कई राज्यों में स्वास्थ्य व अन्य विषयों पर कार्य करने का अनुभव प्रयास को प्राप्त हुआ। प्रयास के काम का एक बड़ा हिस्सा समुदाय समूहों के माध्यम से वंचित जनसँख्या वर्ग में स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों को लेकर बेहतर समझ बनाने व ग्राम स्वास्थ्य सुधार में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में रहा है । दशकों से वंचित व ग्रामीण समुदायों के साथ काम करते हुए प्रयास को स्वास्थ्य विषयों पर समुदाय एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित करने का, स्वास्थ्य के विभिन्न विषयों पर अध्ययन करने का, एवं स्वास्थ्य नीतियों के विशलेषण का व्यापक अनुभव प्राप्त है. राज्य व केंद्र स्तर पर स्वास्थ्य के कई कार्यक्रमों, योजनाओं व कानूनों के निर्माण में प्रयास की अहम भूमिका रही है.

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पृष्टभूमि

भारत एक लोकतंत्र है और संविधान के अनुसार यहां के सभी नागरिक चाहे वह किसी भी आयु, धर्म, लिंग, जाति, रंग अथवा निवासी हो को समान अधिकार प्राप्त है । इसके अनुसार राष्ट्र के सभी नागरिकों को सभी ऐसी वस्तु एवं सेवाएं जो उनके व्यक्तित्व को स्वस्थ और प्रसन्नचित्त रख सके समान रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। किंतु वास्तविकता में यह नहीं हो रहा है, सेवाएं एवं वस्तुएं असमान रूप से उपलब्ध है। इसके कारण से रोग होने की संभावना और उनके उपचार के लिए उपलब्ध सेवाओं में भी बहुत असमानता है।

भारत के अधिकांश नागरिकों के लिए उचित स्तर की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचअभी भी एक बड़ी चुनौती है। इस तथ्य के बावजूद कि भारत ने आज़ादी के 75 सालों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन के सुधार करने में उल्लेखनीय प्रगति की है, अभी भी समुदायों के भीतर व्यापक स्वास्थ्य असमानताएं मौजूद हैं। आवश्यकता से कहीं कम संसाधनों व सुविधाओं में जीवन यापन करने वाले परिवार अभी भी देश की कुल जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा हैं। उनमें से अधिकांश गांवों में रहने वाले सामाजिक रूप से बहिष्कृत समुदायों से हैं। निरंतर और अंतरपीढ़ीगत अभाव में रहते हुए उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए कई प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ता है. स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुच भी इनमें से एक बड़ी चुनौती है । स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के अलावा दूसरा चिंताजनक पहलू समुदायों में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं की मांग की कमी है। जहाँ एक तरफ समुदायों में आम संक्रामक बिमारियों व उनके रोकथाम को लेकर जागरूकता का स्तर बेहद कमज़ोर है और उनकी व्यापकता में बहुत अधिक गिरावट नहीं हुई है, वहीँ दूसरी और देश गैर-संचारी रोगों में बढ़त के चलते बीमारियों के दोहरे बोझ का सामना कर रहा है । साथ ही उपचार की लागत तेजी से बढ़ी है और इसका बड़ा हिस्सा मरीजों को स्वयं वहन करना पड़ता है। भारत सालाना स्वास्थ्य देखभाल पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3.4% खर्च करता है लेकिन इसमें से सरकारी व्यय सिर्फ लगभग 1.2% ही है। प्रमाण बताते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं का उचित स्तर सुनिश्चित करने के लिए किसी भी देश को अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 6% स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिए और इसका अधिकांश हिस्सा सामान्य कर के माध्यम से वहन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 2021 में रिकॉर्ड किया गया है कि चिकित्सा देखभाल में कुल खर्च का लगभग 65% लोगों की ख़ुद की जेब से वहन किया जाता है और यह ऋणग्रस्तता का दूसरा प्रमुख कारण है।

भारत में स्वास्थ्य या स्वास्थ्य सेवाओं का स्पष्ट अधिकार तो नहीं है, लेकिन अनुच्छेद 21 के तहत भारतीय संविधान सभी नागरिकों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार देता है। भारत की सर्वोच्च अदालत ने अपने कई आदेशों में जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुएस्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवा के अधिकार को अभिन्न अंग बताया है। मार्च 2023 में राजस्थान स्वास्थ्य के अधिकार पर कानून (राजस्थान स्वास्थ्य अधिकार अधिनियम-2022) लाने वाला देश का पहला राज्य बन गया। अधिनियम के तहत नियम तैयार होते ही यह कानून राज्य में लागू हो जाएगा। यह कानून राज्य के सभी निवासियों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न स्तर के अनुसार पूरी तरह से निःशुल्क स्वास्थ्य सेओं की गारंटी देता है। भारत में हर राज्य को संवैधानिक रूप से ऐसा अधिनियम पारित करने का अधिकार है क्योंकि स्वास्थ्य राज्य का विषय है।

भारत जिस भारी जन स्वास्थ्य बोझ से घिरा हुआ है और जिस तरह वैश्विक तथा स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सम्बन्धी नई चुनोतियाँ उभर कर आ रही हैं, ऐसे में आवश्यकता है है की स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों को व्यापक रूप से विशलेषण कर तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDGs) के साथ जोड़ कर देखा और समझा जाये ।

स्वेच्छिक संस्थाएं और समुदाय आधारित संगठन जनता की बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो हाशिये पर हैं और अपने स्थान, लिंग, सामाजिक बहिष्कार या आर्थिक स्थितियों के कारण अभाव में जीवन जी रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि वे स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए नवीन दृष्टिकोण विकसित करें। अतीत में कई संगठनों ने प्रदर्शित किया है कि उनके कार्यों से स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता और पहुंचमें सुधार हुआहै। इन पहलों को स्वेच्छिक व नागरिक संस्थाओं एवं समूहों और जन स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से और विस्तारित करने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य समता पर यह दस दिवसीय आवासीय पाठ्यक्रम उन स्वेच्छिक व नागरिक आधारित संस्थाओं, संगठनों इत्यादि से जुड़े कार्मिकों में नेतृत्व को तैयार करने और विस्तारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो की या तो पहले से ही जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे हैं अथवा इस पर कार्य करने की योजना बना रहे हैं। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को उनके द्वारा संचालित स्वास्थ्य परियोजनाओं को अधिक कुशलता से प्रबंधित करने और समुदाय आधारित नई स्वास्थ्य परियोजनाएँ प्रारंभ करने में सहायक होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और विशेषताएँ

<u>उद्देश्य</u>

पाठ्यक्रम का उद्देश्य जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने हेतु आवश्यक कौशल, दक्षताओं और मूल्यों से लैस युवा नेतृत्व को तैयार करना है । यह पाठ्यक्रम सामाजिक निर्धारकों और समता के लेंस के साथ जन स्वास्थ्य दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक सहभागिता की विभिन्न रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। पाठ्यक्रम से संभागियों में उन लोगों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को समझने की क्षमता बढ़ेगी जिनके साथ वे काम करते हैं तथा उनके समाधान ढूँढने हेतु उन्हें नए दृष्टिकोण प्राप्त होंगे।

पाठ्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागी निम्नलिखित विषयों पर बहतर समझ बना पाने में सक्षम होंगे:

- स्थानीय और वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और विकास के बीच संबंधों को समझना
- जन स्वास्थ्य, स्वास्थ्य समता और स्वास्थ्य अधिकारों के बुनियादी सिद्धांतों को समझना
- स्वास्थ्य को सामाजिक निर्धारकों के लेंस से देखना और जन स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु समुदाय आधारित मॉडल्स का निर्माण करना.
- विभिन्न स्वास्थ्य नीतियों, कानूनों और प्रणालियों का समुदाय स्तर पर प्रभाव का विश्लेषण कर पाना
- समुदाय आधारित समूहों के महत्त्व व सिद्धांतों को समझना व उनके क्षमतावर्धन के लिए प्रभावी तरीके खोजना
- स्थानीय प्रशासन में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रक्रियाएं तैयार करना
- जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन हेतु प्रभावी संचार कौशल के महत्व को समझना
- स्वास्थ्य से संबंधित सामाजिक अंकेक्षण और सामाजिक अनुसंधान विधियों पर बुनियादी समझ विकसित करना
- जन स्वास्थ्य कार्यक्रम/परियोजनाओं, प्रशिक्षण और संस्थागत प्रबंधन करने में सहभागी शैली (participatory approach) को लागू करने हेतु स्वयं के कौशल को बढ़ाना
- प्रभावी सामुदायिक स्वास्थ्य और विकास कार्यकर्ता बनने के लिए अपने स्वयं के दृष्टिकोण और मूल्यों का विस्तार करना
- पाठ्यक्रम से अर्जोत ज्ञान व कौशल के आधार पर अपनी स्वयं की कार्ययोजनाएं बना पाने में सक्षम होना

**उपरोक्त अस्थायी उद्देश्य हैं। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विशिष्ट उद्देश्यों और कार्यक्रमों को सामूहिक रूप से विकसित और अंतिम रूप दिया जाएगा।*

सिद्धांत और विधियाँ

पाठ्यक्रम हिंदी में होगा और सहभागी शैली (participatory approach) का पालन करेगा. इसके मायने हैं की की पाठ्यक्रम के सत्र, उनके प्रवाह, उनका सञ्चालन और सत्र के बाद मूल्यांकन इत्यादि को तय करने में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। पाठ्यक्रम आयोजक और सन्दर्भ व्यक्ति केवल मार्गदर्शक और सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करेंगे. वे प्रतिभागियों को तकनीकी सहयोग प्रदान करने के साथ साथ प्रश्न पूछने, अन्वेषण करने, अनुभव साझा करने और पारस्परिक सीख के माहौल को बनाये रखने में सहायता करेंगे।

सत्रों को व्याख्यान और पावरपॉइंट प्रस्तुतियों तक सीमित न रख कर विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिनमें ये या अन्य गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं:

- समूह चर्चा
- केस प्रस्तुतियाँ
- रोल प्ले
- प्रश्नोत्तरी/इंटरैक्टिव खेल
- तस्वीरों/फ़िल्मों पर आधारित चर्चाएँ
- फील्ड का दौरा और सामुदायिक बातचीत, आदि।

इस प्रकार निम्नलिखित सिद्धांत और विधियाँ पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन करेंगी:

- प्रतिभागी अपने सीखने और दूसरों के सीखने की जिम्मेदारी लेंगे.
- प्रतिभागी पाठ्यक्रम सामग्री को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे और सत्रों के सञ्चालन में सहभागी शैली (participatory approach) को लागू करेंगे।
- प्रतिभागी अपने विचारों और अनुभवों को साझा कर सामूहिक रूप से एक दुसरे से सीखेंगे ।
- यह प्रक्रिया उन्हें सहभागी शैली (participatory approach) के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने के महत्व को समझने में सक्षम बनाएगी।

प्रतिभागियों और प्रतिभागियों को भेजने वाली संस्थाओं की योग्यता

प्रतिभागियों को भेजने वाली संस्थाओं की योग्यता

प्रतिभागियों को भेजने वाली संस्था कोई भी गैर सरकारी संस्था या संगठन, ट्रस्ट या कोई भी शिक्षा, प्रशिक्षण व अध्ययन इत्यादि से जुडी एजेंसी हो सकती है जो की सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य अथवा उस से संबंधित क्षेत्र में कार्य करती हो और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने कार्य का विस्तार करना चाहती हो।

प्रत्येक संगठन से एक प्रतिभागी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रतिभागी को संस्था का मध्य स्तर का कार्मिक होना चाहिए जो की पिछले कम से कम दो वर्षों से संस्था के साथ जुड़े हों।

भेजने वाली संस्था से अपेक्षा की जाती है कि वह प्रतिभागी को पाठ्यक्रम आवेदन प्रपत्र भरने में सहयोग करें व पाठ्यक्रम से प्राप्त सीख, तकनीकों और विचारों को लागू करने का उन्हें अवसर प्रदान करें ।

प्रतिभागियों की योग्यता

पाठ्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से अधिकतम बारह (12) प्रतिभागी शामिल होंगे।

यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी होगा जिनके पास समुदाय आधारित विकास कार्य का अनुभव है और वे स्वास्थ्य के मुद्दों को जोड़ते हुए अपने कार्य को आगे बढ़ाने का इरादा रखते हैं.

पाठ्यक्रम में आवेदन हेतु निम्नलिखित सभी मानदंडों को पूरा होना अनिवार्य है:

- आयु 40 वर्ष से कम होनी चाहिए।
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी भी क्षेत्र में स्नातक होनी चाहिए।
- स्वास्थ्य या संबंधित विकास के मुद्दे पर किसी भी रूप में समुदायों के साथ मिलकर काम करने का कम से कम 3 साल का अनुभव होना चाहिए।
- आवेदक वर्तमान संगठन में कम से कम दो (2) वर्षों तक काम कर चुका हो।
- वर्तमान में उसके पास मध्य-स्तरीय नेतृत्व की स्थिति है जहां वह योजनाओं को लागू कर सकता है और संगठनात्मक परिवर्तनों को प्रभावित कर सकता है।
- स्वास्थ्य और स्वास्थ्य अधिकारों पर काम करने की प्रबल प्रतिबद्धता होनी चाहिए।
- हिंदी में पढ़ने, लिखने और संचार का अच्छा कौशल होना चाहिए और अंग्रेजी में पढ़ने, लिखने का बुनियादी कौशल।
- उन्हें जिज्ञासु, हर माहौल में ढल सकने वाला, टीम वर्क व चर्चाओं के लिए खुला, तथा घटनाओं और स्थितियों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण रखने वाला होना चाहिए
- पूरे पाठ्यक्रम के दौरान सभी सत्रों में भाग लेना अनिवार्य है।
- पाठ्यक्रम से प्राप्त सीखों और तकनीकों का अपने कार्यक्षेत्र में उपयोग करने के लिए उन्हें अपनी भेजने वाली संस्था से मजबूत समर्थन प्राप्त होना चाहिए।
- पाठ्यक्रम पश्चात कम से कम दो (2) वर्षों तक भेजने वाली संस्था में काम जारी रखने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

प्रतिभागियों से अपेक्षा

प्रतिभागियों से निम्नलिखित अपेक्षाएं हैं:

- ***वे जो काम कर रहे हैं उस से सम्बंधित विशिष्ट केस स्टडी इस प्रकार*** *लाएँ कि उनका उपयोग पाठ्यक्रम सामग्री के रूप में किया जा सके* ***। इन केस स्टडी में स्वास्थ्य या संबंधित मुद्दों में समुदाय की भागीदारी*** *के तत्व सम्मिलित होने चाहिए।*
- *इन अनुभवों को साझा करने के अलावा पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों से यह भी अपेक्षा है की* ***जिन विषयों पर उनकी विशेष समझ व अनुभव हैं उन पर वे सत्र/ चर्चा को आयोजित करने का नेतृत्व भी लें।***
- इस आवासीय पाठ्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को एक ***सामुदायिक स्वास्थ्य कार्ययोजना तैयार करने*** की आवश्यकता होगी जिसे वे अपनी संस्था/संगठन के माध्यम से लागू कर सकते हैं। पाठ्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे समय-समय पर उनके द्वारा प्रारंभ किए गए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्ययोजना की रिपोर्ट साझा करें। पारस्परिक साझेदारी के लिए और कार्ययोजना को प्रारंभ करने या सुदृढ़ करने में प्रतिभागियों को तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु निरंतर कार्यशालाओं व चर्चाओं का आयोजन किया जायेगा.
- ***प्रतिभागी संस्था सम्बंधित काम का बोझ न लेकर आयें या उसे न्यूनतम रखें।***
- ***यदि उनके पास स्वयं का या संस्था द्वारा प्रदान किया गया लैपटॉप है तो उसे अवश्य साथ ले कर आयें.***

चयन प्रक्रिया

• आवेदन पत्र एवं सभी आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त होने के बाद प्रयास द्वारा आवेदकों की स्क्रीनिंग की जाएगी जिसमें की न केवल आवेदक द्वारा भेजी गयी जानकारी के आधार पर उनके कौशल, क्षमता और अनुभव का अवलोकन किया जायेगा बल्कि यह भी ध्यान में रखा जायेगा की प्रतिभागी समूह में उनके जुड़ने से विविधता बनी रहे।
• आवश्यकतानुसार अगस्त 2023 के अंत तक स्क्रीनिंग में चुने गए आवेदकों और उन्हें भेजने वाली संस्था के प्रतिनिधि के साथ ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित किया जायेगा.
• अंतिम चयन और परिणामों की घोषणा सितंबर 2023 के पहले सप्ताह तक की जाएगी. सफल आवेदकों को ई-मेल द्वारा सूचित किया जायेगा और पाठ्यक्रम की तैयारी से सम्बंधित असाइनमेंट जैसी सभी जानकारी प्रदान की जाएगी..

प्रतिभागियों के चयन में निम्नलिखित बिन्दुओं पर भी विचार किया जाएगा इसलिए, उपरोक्त मानदंडों को पूरा करने पर भी कुछ आवेदकों का चयन नहीं हो पाना संभव है:

- राज्यों की विविधता
- लिंग संतुलन
- धर्म व जातीय संतुलन
- प्रतिभागियों की अपेक्षाओं और अनुभवों का पाठ्यक्रम से मिलान

पाठ्यक्रम की फीस

यह पाठ्यक्रम निःशुल्क है और इसकी कोई फीस नहीं है.

प्रयास निम्नलिखित वित्तीय भार की ज़िम्मेदारी लेने में समर्थ होगा:

- कोर्स का खर्च
- पाठ्यक्रम अवधि के दौरान प्रतिभागियों का आवास व भोजन
- प्रतिभागियों के जयपुर आगमन और वापसी का खर्च (एसी बस या ट्रेन-एसी III टियर द्वारा)

प्रतिभागियों को भेजने वाली संस्थाओं से निम्नलिखित वित्तीय जिम्मेदारी लेने का अनुरोध है:

- प्रतिभागी द्वारा स्थानीय परिवहन व्यय
- प्रतिभागियों द्वारा यात्रा के दौरान किए गए अन्य खर्च जैसे भोजन इत्यादि।

पाठ्यक्रम अवधि, स्थान और संपर्क

पाठ्यक्रम अवधि

4 अक्टूबर (बुध), 2023 - 14 अक्टूबर (शनि), 2023
** प्रतिभागियों को 3 अक्टूबर तक कार्यक्रम स्थल पहुंचना होगा और 15 अक्टूबर को वापस प्रस्थान करना होगा।*

स्थान

जयपुर (राजस्थान)
**चयनित प्रतिभागियों को सटीक कार्यक्रम स्थल का विवरण भेजा जाएगा।*

संपर्क

पाठ्यक्रम के लिए सचिवालय
प्रयास
158-एस.बी. विहार, स्वेज फार्म,
न्यू सांगानेर रोड, सोडाला,
जयपुर-302019, राजस्थान

दूरभाष: 0141-2290593
ई-मेल: application@prayaschittor.org
वेबसाइट: www.prayaschittor.org

* ***आप ऊपर उल्लेखित हमारी वेबसाइट से पाठ्यक्रम का आवेदन प्रपत्र डाउनलोड कर सकते हैं, या प्रयास से ई-मेल के माध्यम से प्रपत्र भेजने का अनुरोध कर सकते हैं।***

गोपनीयता

आवेदक द्वारा प्रदान की गयी समस्त निजी एवं संस्थागत जानकारियाँ गोपनीय रखी जाएँगी और पाठ्यक्रम चयन प्रक्रिया के अलावा अन्य किसी भी प्रकार उनका उपयोग नहीं किया जायेगा.

आवेदन प्रक्रिया

निम्नलिखित दस्तावेज ई-मेल द्वारा **application@prayaschittor.org**
पर विषय में ***'Health Equity Course-2023'*** *लिख कर भेजें.*

a) **आवेदन प्रपत्र आवेदक की फोटो (चेहरे की फ़ोटो) व हस्ताक्षर के साथ**
(आवेदन प्रपत्र यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं
http://www.prayaschittor.org/HealthEquityCourse.php)
b) **आवेदक को भेजने वाली संस्था के प्रतिनिधी का वक्तव्य हस्ताक्षर के साथ**
c) **संस्था प्रोफाइलअंग्रेजी या हिंदी में:**
(1)ब्रोशर (वैकल्पिक) (2) वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट - 2022, और (3) वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2022

आवेदन करने की अंतिम दिनांक:

10 अगस्त 2023

**यदि आपको आवेदन के 3 दिनों के भीतर प्रयास से कोई ई-मेल नहीं मिलती है, तो कृपया हमसे संपर्क करें।*
**आवेदन प्रपत्र में फोटो (चेहरे का फोटो) और हस्ताक्षर अनिवार्य हैं।*
**प्रयास दस्तावेजों की जांच के बाद आवेदक को संशोधित करने या अतिरिक्त जानकारी भेजने के लिए कह सकता है।*

चयनित आवेदकों को सितंबर 2023 के पहले सप्ताह तक चयन परिणामों के बारे में सूचित कर दिया जाएगा तथा पाठ्यक्रम की तैयारी के लिए आवश्यक अतिरिक्त जानकारी और दस्तावेज़ भेजे जायेंगे।

यदि आपके कोई प्रश्न हैं या अधिक जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया हमसे संपर्क करें।

ई-मेल: application@prayaschittor.org (कृपया विषय में 'Query- Health Equity Course 2023' लिखें)
फ़ोन: 0141-2290593